

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,  
उप सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक 19 नवम्बर, 2009

विषय:- अनुसूचित जाति उप योजना के तहत मालाज वर्ल्ड (द स्कूल आफ डांस म्यूजिक एण्ड योग) संस्था को कार्याशाला के आयोजन हेतु अनुदान दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं0 455/तृतीय-76/सं0नि0उ0/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय मालाज वर्ल्ड (द स्कूल आफ डांस म्यूजिक एण्ड योग) संस्था को कार्याशाला के आयोजन हेतु अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन उक्त संस्था को वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु प्राविधानित धनराशि रू0 35.00 लाख में से रू0 1.00 लाख (रू0 एक लाख मात्र) मात्र की धनराशि निम्नानुसार व्यय किये जाने पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-105/VI-1/2007-4(4)/2007 दिनांक 5-3-2008 के द्वारा निर्धारित मानक पूर्ण होने पर ही आहरित की जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- वित्तीय हस्त पुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय 16-क-अनुच्छेद 369 के सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि तभी प्रदान की जाये जब सम्बन्धित द्वारा 'सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005' के अनुपालन का शपथ पत्र प्रदान किया जाये।

5- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

6- इस संस्था द्वारा किये जाने वाले कार्यों/प्रोजेक्ट की हार्ड व साफ्ट प्रतियाँ जैसा लागू है, में पांच प्रतियों में संस्कृति विभाग को अभिलेखों के रूप में उपलब्ध कराये।

7- उक्त धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर मन्वत शासन को उपरोक्त साक्ष्य के साथ आवश्य उपलब्ध कराया जायेगा।



- 8- संस्था को उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि संस्था इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।
- 9- निदेशक इस आदेश के एक सप्ताह के अन्दर संस्था को धनराशि आवंटित करेंगे। इस हेतु एक समिति गठित की जाएगी।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या- 30 के लेखाशीर्षक 2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-0201 - लोक संगीत एवं लोकनृत्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन एवं डाक्यूमेंटेशन का कार्य -20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।
- 11- उपरोक्त निर्देश वित्त विभाग के अ0शा0 पत्र सं0-384 (पी)/XXXVII(3)/2009 दिनांक 13 नवम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्लिया)

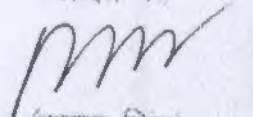
उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक-तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 8- सम्बन्धित संस्था।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(श्याम सिंह)

अनुसचिव।